कोविड-19 महामारी से लड़ने के राष्ट्रीय प्रयासों में बीएचईएल का बड़ा योगदान, गंभीर रोगियों के लिए जीवनदायिनी मेडिकल ऑक्सीजन आपूर्ति कर उनके जीवन को बचाया

नई दिल्ली, 24 मई: कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर देश में अत्यंत तेजी से एक असाधारण संकट के रूप में फैली है। इस गंभीर राष्ट्रीय संकट के दौरान बीएचईएल अपने राष्ट्र और नागरिकों के लिए युद्ध स्तर पर काम कर रहा है। बीएचईएल के भोपाल और हरिद्वार स्थित संयंत्रों ने सभी संभव संसाधनों का प्रयोग करते हुए अपने आस-पास और नजदीकी क्षेत्रों में मेडिकल ऑक्सीजन की आपूर्ति कर इस संकट का मुकाबला किया।

बीएचईएल हरिद्वार में आंतरिक पाइपलाइनों के माध्यम से निजी उपयोग के लिए प्रतिदिन 24,000 सीयूएम (क्यूबिक मीटर) ऑक्सीजन का उत्पादन करने की क्षमता थी। अप्रैल माह के मध्य देश में मेडिकल ऑक्सीजन के गंभीर संकट को देखते हुए, बीएचईएल हरिद्वार ने मात्र एक सप्ताह के रिकॉर्ड समय में प्रति दिन 3,000 से अधिक सिलेंडर भरने की क्षमता विकसित की। इसके साथ ही पूरे लॉजिस्टिक्स और मैनपावर (जनशक्ति) के साथ दिन-रात काम करते हुए, प्रतिदिन 3,000 से अधिक मेडिकल ऑक्सीजन सिलेंडर भरे हैं। इस प्रकार, इस संयंत्र ने अस्पतालों, जिला प्राधिकरणों, सार्वजनिक उपक्रमों, सशस्त्र बलों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए लगभग 55,000 मेडिकल ऑक्सीजन सिलेंडरों (3,00,000 सीयूएम से अधिक) को भरकर,उत्तराखंड और यूपी के साथ-साथ दिल्ली एनसीआर में इस संकट में हजारों लोगों की जान बचाई है।

उदाहरणस्वरूप, टिहरी, गढ़वाल में कोविड अस्पताल के मुख्य ऑक्सीजन आपूर्ति संयंत्र में खराबी के कारण हरिद्वार इकाई ने उनके एसओएस कॉल के प्रतिउत्तर में त्वरित कार्रवाई करते हुए ऑक्सीजन की आपूर्ति की। जिसके परिणामस्वरूप ऐसे 80 रोगियों की जान बच गई, जिनकी ऑक्सीजन आपूर्ति शीघ्र ही समाप्त होने वाली थी। इसी प्रकार, एम्स, ऋषिकेश को एसओएस कॉल के प्रतिउत्तर में तत्काल 158 ऑक्सीज़न सिलेंडर भेजे गए, जिसने कई लोगों की जान बचाने में सहायता की।

बीएचईएल भोपाल संयंत्र ने अब तक कस्तूरबा अस्पताल, एम्स, सैनिक अस्पताल, रेलवे अस्पताल तथा पुलिस अस्पताल सहित मध्य प्रदेश और भोपाल के विभिन्न निजी अस्पतालों में 1,53,000 क्यूबिक मीटर ऑक्सीजन (23,000 से अधिक सिलेंडर) की आपूर्ति की है।

कंपनी की अन्य इकाइयों में भी ऑक्सीजन उत्पादन क्षमता सृजित करने के प्रयास जारी हैं।

बीएचईएल राष्ट्रीय आवश्यकताओं की पूर्ति में, अपना योगदान देने हेतु हृदय से दृढ़ संकल्पित है।